पिट्स

आर.एन.आई. ३८१३९/८१

www.pits.co.in

वर्ष २९ अंक-१६ सोमवार, ८दिसम्बर २००८ पृष्ठ १६ मूल्य दो रुपये

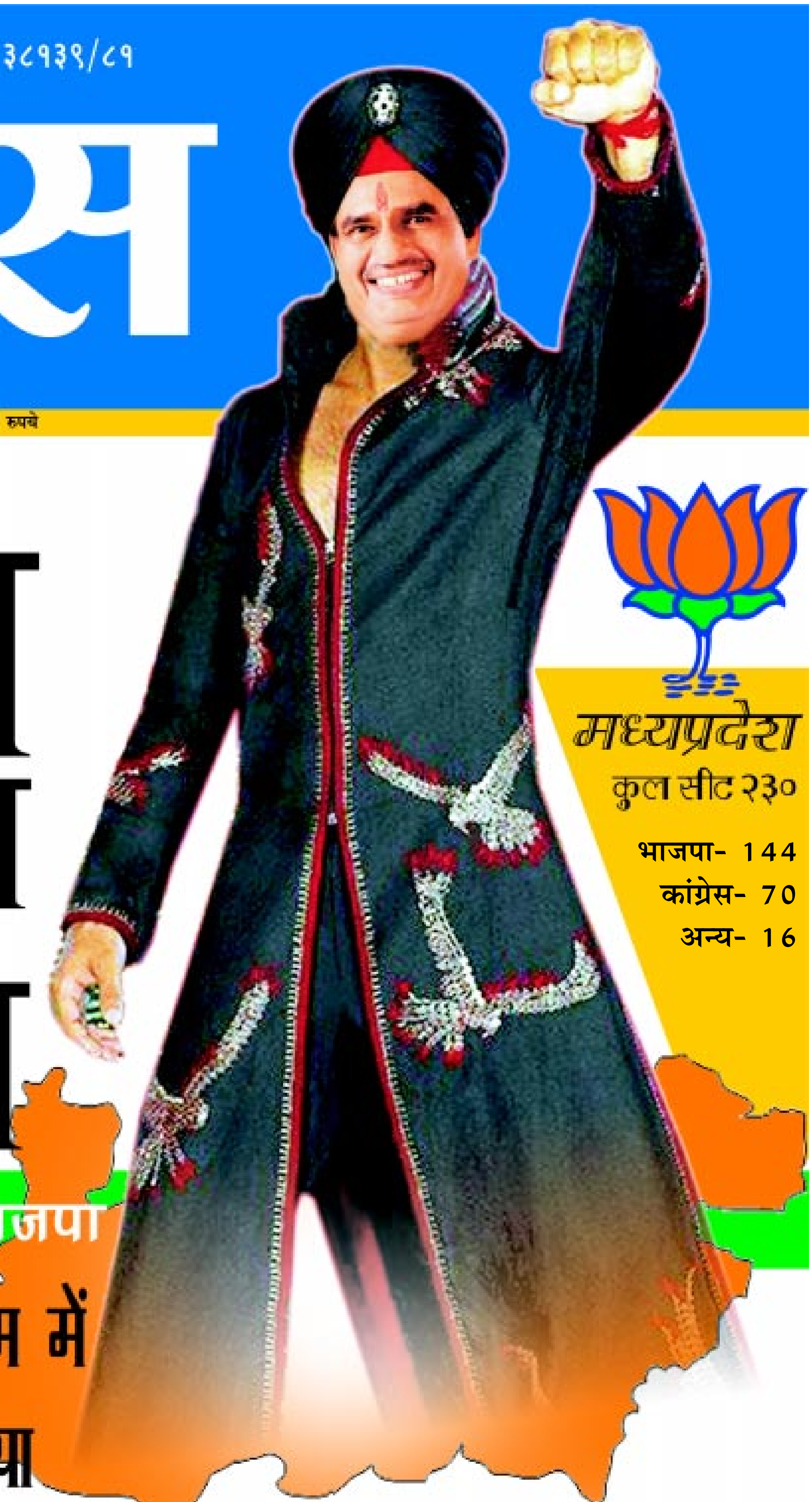

शिव इज किंग

मध्यप्रदेश -छत्तीसगढ़ में भाजपा

राजस्थान, दिल्ली, मिजोरम में कांग्रेस ने परचम लहराया

मध्यप्रदेश
कुल सीट २३०

भाजपा-	144
कांग्रेस-	70
अन्य-	16

भोपाल। सत्ता के लिए हुए सेमीफाइनल में कई मिथक तोड़े गये हैं तो कई मुहावरे जोड़े गए हैं। जहां तक मिथक टूटने का सवाल है तो मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ से भाजपा के लगातार दोबारा सत्ता में आने का मिथक टूटा है। मध्यप्रदेश में पहली बार भाजपा की किसी सरकार ने पांच साल का कार्यकाल पूर्ण कर टर्म पूरा न करने का मिथक तोड़ दिया है। जहां तक मुहावरे और फलसफों की बात है डॉ. रमन सिंह और शिवराज सिंह दोनों ने खुद को ''सिंह इज किंग'' साबित किया है। दिल्ली में शीला दीक्षित का दीक्षांत भी मप्र और छग में मिले आहट भरे नतीजे की घड़ी में कांग्रेस को थोड़ा राहत पहुंचाने वाला है। भाजपा को जहां मप्र और छग में जीत का जश्न मनाने का मौका मिला है वहीं राजस्थान में उसे मातम मनाने जैसी स्थिति का सामना करना पड़ा है। इन सभी मिथकों, फलसफों और मुहावरों को राजनीतिक दल मिसाल मानें तो जनता ने इन चुनावों में एक नई राजनीतिक अवधारणा की स्थापना की है कि जो सरकार कार्य करेगी वही बरकरार रहेगी। जो सरकार काम नहीं करेगी उसका हश्र वही होगा जो राजस्थान में वसुंधरा राजे सरकार का हुआ है। मिजोरम के नतीजों को चार राज्यों के नतीजों से जोड़ना इसलिए जरूरी नहीं है कि वहां कांग्रेस को छोड़कर किसी दूसरे दल की जोर-आजमाइश और जद्दोजहद का कोई असर नहीं होता। तीन राज्यों मप्र, छग और दिल्ली में सत्तारूढ़ दल को फिर से मौका देकर जनता ने उसके कामकाज को ठीक माना है। तीनों राज्यों में विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ा गया। राजस्थान में भी चुनाव का असली मुद्दा विकास ही था, लेकिन वहां की मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के अड़ियल रवैये, घमंडी स्वभाव और ''फूट डालो राज करो'' की नीति से नाराज मतदाताओं ने उन्हें खारिज कर दिया। यदि सामंतवादी प्रवृत्ति की वसुंधरा की जगह कोई दूसरा नेता भी होता तो जनता उसे भी अस्वीकार कर देती। वसुंधरा ने राज्य की जनता के हित में काम कम, बातें ज्यादा कीं। अपने राजकाज से जनता को इतना नाराज कर दिया, इसका खामियाजा भाजपा को भुगतना पड़ा। सबसे ज्यादा दिलचस्प और सनसनीखेज चुनाव इस बार मध्यप्रदेश में लड़ा गया। हाई प्रोफाइल चुनाव उस वक्त लो प्रोफाइल होता नजर आया जब भाजपा और कांग्रेस की तरफ से प्रचार युद्ध में ''श्रीमान् सत्यानाश'' और ''बंटाढार'' जैसे संज्ञा, सर्वनाम का इस्तेमाल किया गया।

Úòeemeie{	
कुल सीट	- 90
भाजपा	- 48
कांग्रेस	- 36
अन्य	-06

jepemLeeve	
कुल सीट	- 200
भाजपा	- 98
कांग्रेस	- 75
बसपा	-27

ecepeejce	
कुल सीट	- 40
कांग्रेस	- 32
एमएनएफ	- 03
अन्य	-05

eouuee	
कुल सीट	- 69
भाजपा	- 23
कांग्रेस	- 42
अन्य	-04